थेECONOMICS

B A PART – I (Honours)

PAPER I

PRINCIPLES of ECONOMICS

- Website

eGyankosh.ac.in पर जाएं

- इस page के

IGNOU Self Learning Material (SLM) बटन को दबाएं (click करें)।

- नए पेज में स्क्रॉल कर नीचे

Sub-communities within this community

Heading के रूप में लिखा मिलेगा। इसमें नीचे 02 नंबर पर

02. School of Social Sciences (SOCC)

लिखा मिलेगा।इस बटन को दबाएं (click करें)। पुनः

Sub-communities within this community

Heading के रूप में लिखा मिलेगा। इसमें नीचे Discipline **को छोड़कर** Levels को select कीजिए / click कीजिए।

Sub-communities within this community

लिखा आयेगा, इसमें

Bachelor's Degree Programmes

को click करके खोलें ।

Sub-communities within this Community लिखाआयेगा

इसमें नीचे Archieved **को छोड़कर** Current को select कीजिए / click कीजिए।

पुनः

Sub-communities within this Community लिखाआयेगा जिसके अंतर्गत

Bachelor of Arts (Honours) Economics (BAECH)

लिखाआयेगा जिसके अंतर्गत

Sub-communities within this Community.

में नीचे

बी ई सी सी – प्रारंभिक व्यष्टी अर्थशास्त्र

लिखा मिलेगा

इसे click करके खोलें

नए पृष्ठ पर

बी. ई .सी .सी -101 - प्रारंभिक व्यष्टी अर्थशास्त्र

लिखा मिलेगा और उसके नीचे

Collections within this Community

में प्रारंभिक व्यष्टी अर्थशास्त्र के अध्याय दिए गए हैं जिसमें पहला अध्याय है

खण्ड-1 परिचय

इसे click करके खोलें

नए पृष्ठ पर पुनः **खण्ड-1 परिचय** को click करें, खोलें

और पुनः pdf file के view/ open, option पर जाकर इसे click करें।

यह पूरा chapter पठन के लिए खुल जायेगा।

किसी भी विषय की कुछ मूलभूत अवधारणा होती है जो उस विषय को परिभाषित करता है और विषय को समझने के लिए आवश्यक है गया है।"**उत्पादन संभावना वक्र**" अर्थशास्त्र की मूलभूत अवधारणा है।

इस इकाई के पृष्ठ संख्या 13 में अर्थशास्त्र विषय के महत्वपूर्ण टूल (ज्ञान का साधन) "**उत्पादन संभावना वक्र**" से हमारा प्रारंभिक परिचय होता है।

उत्पादन संभावना वक्र(PPC) - यह वक्र दो वस्तुओं के उन संयोगों को दर्शाता है जिसे कोई देश/समाज अपने दिये गए संसाधनों एवं तकनीक द्वारा उत्पादित कर सकता है।

उत्पादन संभावना वक्र को अन्य नामों से भी जाना जाता है –

- उत्पादन संभावना सीमा।
- उत्पादन संभावना फ्रंटियर।
- रुपांतरण वक्र।
- रुपांतरण सीमा।

उत्पादन संभावना वक्र की मान्यताएं

1. संसाधनों का पूर्ण व कुशलतम प्रयोग किया जाता है।
2. दिए गए संसाधनों के प्रयोग से केवल दो वस्तुओं को उत्पादित किया जा सकता है।
3. संसाधन सभी वस्तुओं के उत्पादन में एक समान नहीं होते हैं।
4. तकनीक के स्तर को स्थिर मान लिया जाता है।

उत्पादन संभावना वक्र की मान्यताएं

1. PPC नीचे की ओर गिरता है

- उपलब्ध संसाधनों के पूर्ण तथा कुशल प्रयोग की स्थिति में दोनों वस्तुओं के उत्पादन को एक साथ नहीं बढ़ाया जा सकता है।

- इस स्थिति में एक वस्तु का अधिक उत्पादन दूसरी वस्तु के उत्पादन से संसाधनों को हटाकर ही हो सकता है।

2. PPC मूल बिंदु की ओर नतोदर होता है

- बढ़ती हुई सीमांत अवसर लागत के कारण PPC मूल बिंदु की ओर नतोदर होता है।

- वस्तु X की एक अतिरिक्त इकाई प्राप्त करने के लिए वस्तु Y की अधिक से अधिक इकाइयों को त्याग करना पड़ता है।

इस इकाई के पृष्ठ संख्या 14 में उत्पादन संभावना वक्र को चित्र 1.1 के द्वारा दर्शाया गया है। जो पूर्व उल्लेखित गुणों के आधार पर खींचा गया है।

सीमांत अवसर लागत

यह किसी वस्तु Y की वह इकाईयां हैं जिन्हें दूसरी वस्तु X की एक अतिरिक्त इकाई उत्पादन को प्राप्त करने के लिए त्यागा जाता है।इसे उत्पादन परिवर्तन की सीमांत दर (marginal rate of product transformation) कहते हैं। यह उत्पादन के अवसर लागत को दर्शाता है।

उत्पादन परिवर्तन की सीमांत दर को हम उत्पादन संभावना वक्र की ढाल से मापते हैं। एक उत्पादन संभावना वक्र पर जब हम बाएं से दाएं ओर अग्रसर होते हैं तो वक्र की ढाल बढ़ जाती है अर्थात् सीमांत

अवसर लागत बढ़ जाता है। अतः एक अतिरिक्त इकाई X के उत्पादन के लिए ज्यादा से ज्यादा मात्रा में वस्तु Y का त्याग करना होगा। मूल बिंदु की ओर नतोदर उत्पादन संभावना वक्र बढ़ते हुए सीमांत अवसर लागत को दर्शाता है।

उत्पादन संभावना वक्र में विस्तार/ संकुचन

यदि कोई देश दक्षता से अपने संसाधनों का पूर्ण उपयोग करते हुए उत्पादन करता है तो वह उत्पादन संभावना वक्र के बिंदु F पर उत्पादन करेगा। इसके विपरीत अगर वह संसाधनों का दक्षतापूर्ण एवं पूर्ण उपयोग नहीं करता है तो वह उत्पादन संभावना वक्र के अंदर बिंदु U पर स्थित होगा।(**पृष्ठ 16 पर चित्र 1.3 का अवलोकन करें**)

संसाधनों के विस्तार और संकुचन से उत्पादन संभावना वक्र दाएँ या बाएँ ओर अग्रसर होती है। **पृष्ठ 16 पर चित्र 1.4 एवं 1.5 का अवलोकन करें**)

अर्थशास्त्र के मूल सिद्धांत (basics) को जानना आवश्यक है। इस इकाई में दिए गए अर्थशास्त्र के मूल तत्व को जानना किसी भी अच्छे छात्र की दृष्टि से सफलता की कुंजी है। इस अवधारणा का उपयोग अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र के अध्ययन में व्यापक है।

इस इकाई में कई बोध प्रश्न छात्रों को हल करने के लिए दिया गया है जिससे उनका concept clear हो और अभ्यास से विश्वास में निरंतर वृद्धि हो।

बी ए भाग -1 की मुख्य परीक्षा में उत्पादन संभावना वक्र पर संक्षिप्त नोट्स लिखने आ सकता है अतः इसकी तैयारी आवश्यक है।

IGNOU (इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय) की नेट पर उपलब्ध सामग्री का स्तर बहुत अच्छा है। इसे कोई भी छात्र बिना अनुमति के और बिना पैसे खर्च किए उपयोग के लिए स्वतंत्र है। इसका लाभ उठाकर ज्ञानार्जन करें।

यह BA level का कोर्स सामग्री है किन्तु साथ ही reference book का अध्ययन किया जाना आवश्यक है। प्रत्येक इकाई के अंत में उस इकाई से संबंधित पुस्तकों का नाम, लेखक का नाम एवं प्रकाशक का नाम दिया गया है।

Corona virus की इस विभीषिका काल में **IGNOU (इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय)** इस पठन सामग्री जो इंटरनेट पर सुलभ है का छात्र अपने ज्ञान वर्धन और परीक्षा की तैयारी के लिए उपयोग करेंगे और लाभ उठाएंगे।

Prof. Chanchal Kumar Pandey

Head

Department of Economics

Maharaja College

Ara